vinetur

ब्राज़ील का स्पिरिट उद्योग सरकार के अस्थायी 'सिन टैक्स' उपाय से सहमत

ABBD ने कहा कि योजना में 2027 के दौरान मौजूदा IPI दरें बरकरार रहेंगी ; उत्पादक 2028 के कर विधेयक की प्रतीक्षा कर रहे हैं

सोमवार, 23 नवंबर 2026



ब्राज़ील के आसवित स्पिरिट उद्योग ने कहा कि उसे नए चयनात्मक कर का नियमन करने वाले ब्राज़ील सरकार के अस्थायी उपाय पर कोई आपत्ति नहीं है। इस कर को आम तौर पर 'सिन टैक्स' कहा जाता है। हालांकि, उद्योग 2028 से लागू होने वाली दरों के बारे में जल्द स्पष्टता चाहता है।

ब्राज़ीलियाई आसवित पेय संघ, जिसे ABBD के नाम से जाना जाता है, ने यह रुख 22 नवंबर को Folha de S.Paulo की रिपोर्ट में व्यक्त किया। संघ ने कहा कि सरकार के मसौदे में उद्योग प्रतिनिधियों और आर्थिक टीम के बीच पहले बनी

सहमति का सम्मान किया गया है। इसलिए उसने संसद के समक्ष मौजूद इस उपाय में संशोधन प्रस्तावित नहीं करने का फैसला किया।

ABBD के अध्यक्ष Eduardo Cidade ने कहा कि संघ ने प्रस्ताव स्वीकार किया, क्योंकि इसमें 2027 के लिए तय संक्रमण व्यवस्था बरकरार रखी गई है। इस व्यवस्था के तहत उस साल 'सिन टैक्स' की दर मौजूदा संघीय औद्योगिक उत्पाद कर यानी IPI के बराबर होगी। हालांकि, उन्होंने कहा कि नई स्थायी दरें लागू होने से पहले उद्योग को पूर्वानुमेयता चाहिए।

Folha के अनुसार, Cidade ने कहा, "उद्योग ने प्रस्ताव को मान्यता दी, क्योंकि यह एक समझौते पर आधारित था और अस्थायी उपाय केवल 2027 में कर संग्रह का मौजूदा स्तर बनाए रखने की गारंटी देता है। लेकिन हम चाहते हैं कि नई दरों पर चर्चा के लिए हमें पर्याप्त समय मिले और इसीलिए पूर्वानुमेयता जरूरी है।"

चयनात्मक कर ब्राज़ील के व्यापक कर सुधार का हिस्सा है और इसे उन वस्तुओं पर लगाने का उद्देश्य है जिन्हें स्वास्थ्य या पर्यावरण के लिए हानिकारक माना जाता है। इस कर के दायरे में तंबाकू और मादक पेय पदार्थों के साथ-साथ कुछ खनिज और प्रदूषण फैलाने वाले इंजन भी आने की उम्मीद है।

रिपोर्ट के मुताबिक, अस्थायी उपाय संसद में भेजने से पहले वित्त मंत्रालय और संघीय आर्थिक टीम के अन्य सदस्यों ने नए कर के नियमों पर आम सहमति बनाने के लिए कई उद्योगों से मुलाकात की। इन चर्चाओं के बाद यह सहमति बनी कि 2027 संक्रमण वर्ष होगा और कर का बोझ उस समय लागू IPI के अनुरूप रखा जाएगा।

इसके बावजूद, इस रूपरेखा के समर्थन से अन्य उद्योगों ने बदलाव मांगना बंद नहीं किया है। Folha ने बताया कि अस्थायी उपाय में 179 संशोधन प्रस्ताव पेश किए गए, जिनमें से अधिकांश पेय क्षेत्र से थे और कुछ के हित वाइन तथा बीयर से जुड़े थे। इसके विपरीत, ABBD ने कोई संशोधन पेश नहीं किया और कहा कि सरकार द्वारा भविष्य की दरें तय करने वाला विधेयक पेश किए जाने के बाद वह बहस में शामिल होगा।

अब उत्पादकों के लिए अगला कदम सबसे अहम है। आर्थिक टीम को मई 2027 तक संसद में ऐसा विधेयक पेश करना होगा जिसमें 2028 से लागू होने वाली नई चयनात्मक कर दरें तय होंगी। आसवित स्पिरिट उद्योग की चिंता अस्थायी उपाय की कानूनी संरचना को लेकर कम और संक्रमण अवधि समाप्त होने के बाद कर का बोझ कितना होगा, इस बारे में जानकारी की कमी को लेकर अधिक है।

यह अनिश्चितता पूरे पेय बाज़ार के लिए मायने रखती है, क्योंकि कर दरें उत्पादन योजनाओं, कीमतों, वितरण अनुबंधों और आयात संबंधी फैसलों को प्रभावित कर सकती हैं। स्पिरिट उत्पादकों, ब्रुअरी, वाइनरी और आयातकों को अपने उत्पाद पोर्टफोलियो में बदलाव, आपूर्ति शर्तों पर फिर से बातचीत और नई कर व्यवस्था के तहत उपभोक्ता मांग का अनुमान लगाने के लिए काफी समय की जरूरत पड़ सकती है। 2028 की दरें तय करने में देरी से ये फैसले और कठिन हो सकते हैं, खासकर ऐसे बाज़ार में जहां अंतिम खुदरा कीमतों में करों की पहले से बड़ी हिस्सेदारी है।

सरकार ने चयनात्मक कर को ऐसी नीतिगत व्यवस्था बताया है जिसका उद्देश्य स्वास्थ्य या पर्यावरण पर नकारात्मक असर डालने वाले उत्पादों की खपत को हतोत्साहित करना है, साथ ही नई व्यवस्था में बदलाव के दौरान राजस्व बनाए रखना भी है। हालांकि, कर के दायरे में आने वाले उद्योगों के लिए राजनीतिक बहस अब व्यापक रूपरेखा से आगे बढ़कर उन विशिष्ट दरों पर केंद्रित हो रही है, जो तय करेंगी कि इस उपाय का हर श्रेणी पर कितना असर होगा।

ABBD के रुख से संकेत मिलता है कि स्पिरिट उद्योग का कम-से-कम एक हिस्सा सरकार द्वारा तय संक्रमण व्यवस्था को स्वीकार करने को तैयार है, बशर्ते उसे 2028 की तैयारी के लिए पर्याप्त अग्रिम सूचना मिले। इसलिए संसद में बड़ा विवाद शायद इस बात पर कम हो कि कर होना चाहिए या नहीं, और इस पर अधिक हो सकता है कि स्थायी नियम तय होने के बाद पेय पदार्थों की अलग-अलग श्रेणियों पर कितना कर लगाया जाएगा।